

25/6/25

पत्तावली वादी द्वारा प्रेषित पत्र तपनी का पत्र
कमरे पर तपनी की मर्द । वादी द्वारा प्रेषित पत्र
उपस्थित होकर प्रेषित पत्र विज्ञापन का पत्र
कर प्रकरण में आगे कोई कार्रवाई नहीं
यादगद वही स्तर पर वधारित कि प्र पत्र
का विवेक किता । वादी द्वारा प्रेषित पत्र
आधार मर्द की प्र पत्र की । प्रेषित पत्र वास्तव
मर्द रहे । वादी द्वारा प्रकरण में 'कोई कार्रवाई
नहीं' यादने के कोई कार्रवाई कोष नहीं रहती है।
अतः पत्तावली का वही स्तर पर प्रेषित किता पाता
है । पत्तावली प्रेषित प्रकरण होकर प्रकरण के
कर ही

निर्णय सुनाया गया ।

